श्रीअन्न के पुनरोद्धार को लेकर शिक्षकों का प्रशिक्षण, मोटे अनाज अपनाने का लिया संकल्प

संवाददाता/ डीटीएनएन

कानपुर। उत्तर प्रदेश मिलेट्स पुनरोद्धार कार्यक्रम 2026-27 के अंतर्गत विकास खंड सरवनखेड़ा के समिति कक्ष में गुरुवार को स्कूल शिक्षकों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों को मोटे अनाज (श्रीअन्न) के पोषण, स्वास्थ्य और पर्यावरणीय महत्व से अवगत कराना तथा विद्यालयों के माध्यम से इसके प्रचार-प्रसार को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम में वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक डॉ. खलील खान ने श्रीअन्न के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सांवा, कोदो, रागी, बाजरा सहित अन्य मोटे अनाज पोषक तत्वों से भरपूर हैं और बदलती जीवनशैली में इन्हें दैनिक आहार का हिस्सा बनाना समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों की भूमिका विद्यार्थियों और समाज में जागरूकता फैलाने में सबसे महत्वपूर्ण है। मुख्य अतिथि एवं भाजपा महिला मोर्चा की वरिष्ठ

अध्यक्ष डॉ. दीपिका सिंह सेंगर ने कहा कि श्रीअन्न स्वास्थ्य के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण और पारंपरिक कृषि व्यवस्था को भी मजबूत बनाते हैं। उन्होंने सभी से अपने दैनिक भोजन में मोटे अनाजों को शामिल करने और नई पीढ़ी को इनके प्रति जागरूक करने का आह्वान किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन राजकीय कृषि बीज भंडार, सरवनखेड़ा द्वारा किया गया। इस दौरान कृषि विभाग के डॉ. प्रद्युम्न कुमार यादव, सहायक विकास अधिकारी (कृषि) रोहित वर्मा, विकास कमल, विजय कटियार एवं अजीत ने तकनीकी जानकारी साझा करते हुए श्रीअन्न उत्पादन और उपयोग से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में धर्मेंद्र कुमार,

उत्तर प्रदेश मिलेट्स पुनरोद्धार कार्यक्रम के तहत सरवनखेड़ा में आयोजित हुआ एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर

अवधेश कुमार, ज्योति, प्रतिभा यादव, करिश्मा सचान सहित सैकड़ों शिक्षकों ने सहभागिता की। अंत में सभी शिक्षकों ने विद्यालयों में श्रीअन्न के उपयोग एवं प्रचार-प्रसार को बढ़ावा देने तथा विद्यार्थियों को इसके स्वास्थ्य लाभों के प्रति जागरूक करने का संकल्प लिया।

मोटे अनाजों के पुनरोद्धार के लिए शिक्षकों का प्रशिक्षण।वैज्ञानिक डॉ खलील खान

निष्पक्ष पोस्ट कानपुर डॉक्टर कृष्ण मोहन त्रिपाठी

बृहस्पतिवार को विकास खण्ड सरवनखेड़ा के कमेटी कक्ष में उत्तर प्रदेश मिलेट्स पुनरोद्धार कार्यक्रम 2026-27 के अंतर्गत स्कूल शिक्षकों का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों को मोटे अनाजों (श्रीअन्न) के महत्व की जानकारी देना और उन्हें विद्यालय स्तर पर इस अभियान में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करना था। प्रशिक्षण के दौरान अध्यापकों को सांवा, कोदो, रागी, बाजरा एवं अन्य मोटे अनाजों के पौष्टिक गुणों एवं उनके स्वास्थ्य लाभों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम का आयोजन राजकीय कृषि बीज भण्डार, सरवनखेड़ा द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि वरिष्ठ भाजपा महिला मोर्चा अध्यक्ष डॉ दीपिका सिंह सेंगर ने अपने संबोधन में कहा कि श्रीअन्न न केवल स्वास्थ्यवर्धक हैं, बल्कि यह पारंपरिक कृषि और पर्यावरण की दृष्टि से भी अत्यंत लाभकारी हैं।हमें इन्हें अपने दैनिक आहार में शामिल कर स्वस्थ जीवन की ओर बढ़ना चाहिए। कार्यक्रम में कृषि विभाग से डॉ प्रद्युम्न कुमार यादव, सहायक विकास अधिकारी कृषि, रोहित वर्मा, विकास कमल, विजय कटियार, अजीत का सराहनीय सहयोग रहा। धर्मेंद्र कुमार, अवधेश कुमार, ज्योति, प्रतिभा यादव, करिश्मा सचान सहित सैकड़ों की संख्या में अध्यापक कार्यक्रम में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी शिक्षकों ने श्रीअन्न के प्रचार-प्रसार और उपयोग को विद्यालयों में प्रोत्साहित करने का संकल्प लिया।

बहुभाषी दैनिक समाचार पत्र

कानपुर से प्रकाशित

E-mail :- deekshalayapravah@gmail.com

दीक्षालय प्रवाह

RNI number-upmul-2023/88378

वर्ष : 04 अंक : 45 कानपुर, 24 जुलाई, 2026 पेज-8 मूल्य : 3 रुपये

> पढ़ें पेज 2 पर

कृषि विश्वविद्यालय ने मनाई स्वतंत्रता संग्राम के महानायक चंद्रशेखर आजाद की 120वीं जयंती

(संवाददाता दीक्षालय प्रवाह)

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर संजीव गुप्ता ने आज बृहस्पतिवार, 23 जुलाई को स्वतंत्रता संग्राम के महानायक एवं क्रांतिकारी वीर चंद्रशेखर आजाद की विश्व विद्यालय में 120 वीं जयंती मनाई। कुलपति डॉक्टर गुप्ता ने कहा कि चंद्रशेखर आजाद जैसे महान सपूतों के बलिदान से ही देश सुरक्षित है। उन्होंने कहा कि मुझे अपार खुशी है कि इस भारत के महान सपूत क्रांतिकारी के नाम पर हमारे विश्वविद्यालय का नाम है। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि महान क्रांतिकारी के हृदय में देश व मातृ भूमि के लिए इतना प्रेम था कि उन्होंने बहुत छोटी उम्र से ही अंग्रेजों के विरुद्ध लोहा लेना शुरू किया और फिर अपना संपूर्ण जीवन देश की स्वतंत्रता के लिए समर्पित कर दिया। आजाद अंतिम सांसों तक आजाद रहे। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों वैज्ञानिकों ने क्रांतिकारी सपूत को नमन किया।

The Pioneer News 24/07/2026

Pledge to promote Shrianna in schools

PIONEER NEWS SERVICE
■ Kanpur

A one-day training programme for school teachers was organised on Thursday in the committee room of the Sarwankheda development block under the Uttar Pradesh Millets Revival Programme (UPMRP) 2026-27.

Senior agricultural scientist Dr Khalil Khan stated that the programme's purpose was to educate teachers on the importance of coarse grains (Shrianna) and motivate them to participate in this campaign at the school level actively.

During the training, teachers were given detailed information about the nutritional properties and health benefits of Sanwa, Kodo, Ragi, Bajra and other coarse grains.

The State Agricultural Seed Store, Sarwankheda, organised the programme.

Senior BJP Mahila Morcha president Dr Deepika Singh Sengar, who was the chief guest, said in her address that Shrianna was not only healthy but also extremely beneficial for traditional agriculture and the environment. She emphasised that they should be incorporated into the daily diet to encourage a healthy life.

The programme received commendable support from Dr Pradhumna Kumar Yadav, Assistant Development Officer for Agriculture, Rohit Verma, Vikas Kamal, Vijay Katiyar and Ajit from the Agriculture Department.

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष: 18 अंक : 26 कानपुर, शुक्रवार 24 जुलाई 2026 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य: 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

मोटे अनाजों के पुनरोद्धार के लिए शिक्षकों का प्रशिक्षण

कानपुर (गुरुवार को विकास खण्ड सरवनखेड़ा के कमेटी कक्ष में उत्तर प्रदेश मिलेट्स पुनरोद्धार कार्यक्रम 2026-27 के अंतर्गत स्कूल शिक्षकों का एक दिवसीय

प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों को मोटे अनाजों (श्रीअन्न) के महत्व की जानकारी देना और उन्हें विद्यालय स्तर पर इस अभियान में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करना था। प्रशिक्षण के दौरान अध्यापकों को सांवा, कोदो, रागी, बाजरा एवं अन्य मोटे अनाजों के पौष्टिक गुणों एवं उनके स्वास्थ्य लाभों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम का आयोजन राजकीय कृषि बीज भण्डार, सरवनखेड़ा द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि वरिष्ठ भाजपा महिला मोर्चा अध्यक्ष डॉ दीपिका सिंह सेंगर ने अपने संबोधन में कहा कि श्रीअन्न न केवल स्वास्थ्यवर्धक हैं, बल्कि यह पारंपरिक कृषि और पर्यावरण की दृष्टि से भी अत्यंत लाभकारी हैं हमें इन्हें अपने दैनिक आहार में शामिल कर स्वस्थ जीवन की ओर बढ़ना चाहिए। कार्यक्रम में कृषि विभाग से डॉ प्रद्युम्न कुमार यादव, सहायक विकास अधिकारी कृषि, रोहित वर्मा, विकास कमल, विजय कटियार, अजीत का सराहनीय सहयोग रहा। धर्मेंद्र कुमार, अवधेश कुमार, ज्योति, प्रतिभा यादव, करिश्मा सचान सहित सैकड़ों की संख्या में अध्यापक कार्यक्रम में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी शिक्षकों ने श्रीअन्न के प्रचार-प्रसार और उपयोग को विद्यालयों में प्रोत्साहित करने का संकल्प लिया।

मोटे अनाजों के पुनरोद्धार के लिए ब्लाक शिक्षकों का प्रशिक्षण संपन्न

(आज समाचार सेवा)

सरवनखेड़ा(कानपुर देहात), 23 जुलाई। बृहस्पतिवार को विकास खण्ड सरवनखेड़ा के कमेटी कक्ष में उत्तर प्रदेश मिलेट्स पुनरोद्धार कार्यक्रम 2026-27 के अंतर्गत स्कूल शिक्षकों का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों को मोटे अनाजों (श्रीअन्न) के महत्व की जानकारी देना और उन्हें विद्यालय स्तर पर इस अभियान में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करना था। प्रशिक्षण के दौरान अध्यापकों को सांवा, कोदो, रागी, बाजरा एवं अन्य मोटे अनाजों के पौष्टिक गुणों एवं उनके स्वास्थ्य लाभों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम का आयोजन राजकीय कृषि बीज भण्डार, सरवनखेड़ा द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि वरिष्ठ भाजपा महिला मोर्चा गजनेर मण्डल अध्यक्ष डॉ. दीपिका सिंह सेंगर ने अपने संबोधन में कहा कि श्रीअन्न न केवल स्वास्थ्यवर्धक हैं, बल्कि यह पारंपरिक कृषि और पर्यावरण की दृष्टि से भी अत्यंत लाभकारी हैं। हमें इन्हें अपने दैनिक आहार में शामिल कर स्वस्थ जीवन की ओर बढ़ना चाहिए। कार्यक्रम में कृषि विभाग से डॉ प्रद्युम्न कुमार यादव, सहायक विकास अधिकारी कृषि, रोहित वर्मा, विकास कमल, विजय कटियार, अजीत का सराहनीय सहयोग रहा। धर्मेंद्र कुमार, अवधेश कुमार, %योति, प्रतिभा यादव, करिश्मा सचान सहित सैकड़ों की संख्या में अध्यापक कार्यक्रम में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी शिक्षकों ने श्रीअन्न के प्रचार-प्रसार और उपयोग को विद्यालयों में प्रोत्साहित करने का संकल्प लिया।

अमर उजाला कानपुर देहात 24/07/2026

लाल आदि मौजूद रहे। (संवाद)

शिक्षकों को दी गई श्री अन्न की जानकारी

सरवनखेड़ा। विकास खंड सभागार में बृहस्पतिवार को मिलेट्स पुनरोद्धार कार्यक्रम के तहत परिषदीय स्कूलों के शिक्षकों को एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। कृषि वैज्ञानिकों के श्री अन्न (मोटा अनाज) के पौष्टिक गुणों और उनसे होने वाले लाभ की जानकारी दी गई। राजकीय कृषि बीज भंडार की तरफ से आयोजित कार्यक्रम में कृषि वैज्ञानिक डॉ. खलील खान ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य शिक्षकों को श्री अन्न के महत्व को बताना है ताकि वे विद्यालय स्तर पर बच्चों व समाज को जागरूक करने में सक्रिय भूमिका निभा सकें। उन्होंने सावां, कोदो, रागी और बाजरा जैसे अनाजों के पोषण संबंधी फायदों के बारे में जानकारी दी। मुख्य अतिथि भाजपा महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष डॉ. दीपिका सिंह सेंगर ने कहा कि श्री अन्न न केवल स्वास्थ्य के लिए गुणकारी हैं, बल्कि पारंपरिक कृषि और पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से भी बेहद उपयोगी हैं। यहां कृषि विभाग से सहायक विकास अधिकारी डॉ. प्रद्युम्न यादव, रोहित वर्मा, विकास कमल, विजय कटियार व अजीत, शिक्षक शैलेश त्रिपाठी, धर्मेंद्र कुमार, अवधेश कुमार, ज्योति, प्रतिभा यादव आदि रहीं। (संवाद)

रहस्य संदेश

24/07/2026

कृषि विश्वविद्यालय ने मनाई स्वतंत्रता संग्राम के महानायक चंद्रशेखर आजाद की 120 वी जयंती

कानपुर (अनवर अशरफ)चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर संजीव गुप्ता ने आज बृहस्पतिवार, 23 जुलाई को स्वतंत्रता संग्राम के महानायक एवं क्रांतिकारी वीर चंद्रशेखर आजाद की विश्वविद्यालय में 120 वीं जयंती मनाई। कुलपति डॉक्टर गुप्ता ने कहा कि चंद्रशेखर आजाद जैसे महान सपूतों के बलिदान से ही देश सुरक्षित है। उन्होंने कहा कि मुझे अपार खुशी है कि इस भारत के महान सपूत क्रांतिकारी के नाम पर हमारे विश्वविद्यालय का नाम है। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि महान क्रांतिकारी के हृदय में देश व मातृ भूमि के लिए इतना प्रेम था कि उन्होंने बहुत छोटी उम्र से ही अंग्रेजों के विरुद्ध लोहा लेना शुरू किया और फिर अपना संपूर्ण जीवन देश की स्वतंत्रता के लिए समर्पित कर दिया। आजाद अंतिम सांसों तक आजाद रहे। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों वैज्ञानिकों ने क्रांतिकारी सपूत को नमन किया।